Resource: अनुवाद प्रश्न (unfoldingWord)

unfoldingWord® Translation Questions © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license. unfoldingWord® Translation Questions has been adapted in the following languages: Tok Pisin, Arabic (عربي), French (Français), Hindi (हिंदी), Indonesian (Bahasa Indonesia), Portuguese (Português), Russian (Русский), Spanish (Español), Swahili (Kiswahili), and Simplified Chinese (简体中文) from unfoldingWord® Translation Questions © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license by Mission Mutual

अनुवाद प्रश्न (unfoldingWord)

JOS

यहोशू 1:1–3, यहोशू 1:5, यहोशू 1:7, यहोशू 1:8, यहोशू 1:11, यहोशू 1:13, यहोशू 1:14, यहोशू 1:16, यहोशू 2:1, यहोशू 2:4, यहोशू 2:5, यहोशू 2:9, यहोशू 2:10, यहोशू 2:12–13, यहोशू 2:14, यहोशू 2:18, यहोशू 2:23–24, यहोशू 3:3, यहोशू 3:4, यहोशू 3:5, यहोशू 3:8, यहोशू 3:13, यहोशू 3:16, यहोशू 3:17, यहोशू 4:3, यहोशू 4:7, यहोशू 4:9, यहोशू 4:13, यहोशू 4:18, यहोशू 4:20, यहोशू 4:24, यहोशू 5:1, यहोशू 5:2, यहोशू 5:6–7, यहोशू 5:10, यहोशू 5:12, यहोशू 5:13, यहोशू 5:14, यहोशू 5:14 (#2), यहोशू 5:15, यहोशू 6:1, यहोशू 6:3, यहोशू 6:5, यहोशू 6:5 (#2), यहोशू 6:10, यहोशू 6:17, यहोशू 6:19, यहोशू 6:21, यहोशू 6:22, यहोशू 6:26, यहोशू 7:1, यहोशू 7:3, यहोशू 7:5, यहोशू 7:6, यहोशू 7:11, यहोशू 7:13, यहोशू 7:15, यहोशू 7:21, यहोशू 7:21 (#2), यहोशू 7:24, यहोशू 7:26, यहोशू 8:1–2, यहोशू 8:2, यहोशू 8:3, यहोशू 8:4, यहोशू 8:8, यहोशू 8:15–17, यहोशू 8:18, यहोशू 8:23, यहोशू 8:26, यहोशू 8:27, यहोशू 8:29, यहोशू 9:1–2, यहोशू 9:3–4, यहोशू 9:4–5, यहोशू 9:6, यहोशू 9:6 (#2), यहोशू 9:14, यहोशू 9:15, यहोशू 9:16, यहोशू 9:18–19, यहोशू 9:21, यहोशू 9:24, यहोशू 9:26–27, यहोशू 10:2, यहोशू 10:3–4, यहोशू 10:5, यहोशू 10:6, यहोशू 10:8, यहोशू 10:11, यहोशू 10:12, यहोशू 10:16, यहोशू 10:20, यहोशू 10:26–27, यहोशू 10:40, यहोशू 10:42, यहोशू 11:1–3, यहोशू 11:4, यहोशू 11:4–5, यहोशू 11:6, यहोशू 11:6 (#2), यहोशू 11:10–11, यहोशू 11:12–13, यहोशू 11:14, यहोशू 11:15, यहोशू 11:19, यहोशू 12:1, यहोशू 12:6, यहोशू 12:7, यहोशू 12:24, यहोशू 13:1, यहोशू 13:6, यहोशू 13:7, यहोशू 13:8, यहोशू 13:14, यहोशू 13:14 (#2), यहोशू 13:23, यहोशू 14:4, यहोशू 14:7, यहोशू 14:9, यहोशू 14:10, यहोशू 14:12, यहोशू 15:1, यहोशू 15:5, यहोशू 15:8, यहोशू 15:12, यहोशू 15:19, यहोशू 15:63, यहोशू 16:4, यहोशू 16:10, यहोशू 17:1, यहोशू 17:1 (#2), यहोशू 17:4, यहोशू 17:4 (#2), यहोशू 17:13, यहोशू 17:14, यहोशू 17:15, यहोशू 18:2, यहोशू 18:4, यहोशू 18:4 (#2), यहोशू 18:10, यहोशू 18:11, यहोशू 19:1, यहोशू 19:9, यहोशू 19:9 (#2), यहोशू 19:10, यहोशू 19:17, यहोशू 19:24, यहोशू 19:32, यहोशू 19:38, यहोशू 19:40, यहोशू 19:50, यहोशू 20:2, यहोशू 20:3, यहोशू 20:4, यहोशू 20:6, यहोशू 20:9, यहोशू 21:1–2, यहोशू 21:8, यहोशू 21:19, यहोशू 21:26, यहोशू 21:33, यहोशू 21:40, यहोशू 21:41, यहोशू 21:44, यहोशू 22:1–3, यहोशू 22:5, यहोशू 22:8, यहोशू 22:10–11, यहोशू 22:12, यहोशू 22:13–14, यहोशू 22:16, यहोशू 22:18, यहोशू 22:26–27, यहोशू 22:30, यहोशू 22:33, यहोशू 22:34, यहोशू 23:1–2, यहोशू 23:3, यहोशू 23:7, यहोशू 23:13, यहोशू 23:14, यहोशू 23:16, यहोशू 24:1, यहोशू 24:13, यहोशू 24:15, यहोशू 24:18, यहोशू 24:19, यहोशू 24:21, यहोशू 24:26, यहोशू 24:27, यहोशू 24:29, यहोशू 24:32

यहोशू 1:1–3

मूसा के मर जाने के बाद यहोवा ने यहोशू को क्या करने को कहा?

यहोवा ने यहोशू से कहा कि वह यरदन नदी पार करे और इस्राएलियों को उस देश में ले जाए जो यहोवा उन्हें देंगे।

यहोशू 1:5

यहोवा ने ऐसा क्यों कहा कि कोई भी यहोशू के सामने ठहर न सकेगा?

यहोवा ने कहा कि कोई भी यहोशू के सामने ठहर न सकेगा क्योंकि वह यहोशू के संग रहेंगे जैसे वह मूसा के संग थे।

यहोशू 1:7

यहोवा ने यहोशू से कौन सी तीन बातें कहीं?

यहोवा ने यहोशू से कहा कि वह हियाव बाँधे, बहुत दृढ़ बने और व्यवस्था के अनुसार करने में चौकसी करे।

यहोशू 1:8

यहोवा ने यहोशू से दिन-रात किस बात पर ध्यान देने को कहा?

यहोवा ने यहोशू से कहा कि वह दिन-रात व्यवस्था की पुस्तक पर ध्यान दिया करे।

यहोशू 1:11

यहोशू ने लोगों के अगुवों को क्या करने की आज्ञा दी?

यहोशू ने लोगों के अगुवों को आज्ञा दी कि वे लोगों को तीन दिन में यरदन नदी पार उतरकर भोजन तैयार करने की आज्ञा दें।

यहोशू 1:13

यहोशू ने कौन सी दो बातें कहीं जो मूसा ने कही थीं, यहोवा ने रूबेनियों, गादियों और मनश्शे के आधे गोत्र की सुधि करने की आज्ञा दी थी?

यहोशू ने मूसा से जो दो बातें कहीं थीं, उन्हें यहोवा ने रूबेनियों, गादियों और मनश्शे के आधे गोत्र की सुधि करने की आज्ञा दी थी: "तुम्हारा परमेश्वर यहोवा तुम्हें विश्राम देता है, और यही देश तुम्हें देगा।"

यहोशू 1:14

यहोशू ने रूबेनियों, गादियों और मनश्शे के आधे गोत्र को क्या करने को कहा?

यहोशू ने रूबेनियों, गादियों और मनश्शे के आधे गोत्र से कहा कि वे अपनी स्त्रियों, बाल-बच्चे और पशुओं को उस देश में छोड़ दें जो मूसा ने उन्हें यरदन नदी के पार दिया था, परन्तु शूरवीरों को यरदन नदी पार करके अपने भाइयों की सहायता करनी चाहिए।

यहोशू 1:16

लोगों ने यहोशू की आज्ञाओं का उत्तर कैसे दिया?

लोगों ने यहोशू की आज्ञाओं का पालन करते हुए कहा कि वे वही करेंगे जो उसने कहा है और वे वहीं जाएँगे जहाँ उसने कहा है।

यहोशू 2:1

जब यहोशू ने शित्तीम के दो भेदियों को उस देश का भेद लेने के लिए भेजा, तो उन्हें कहाँ ठहरने का स्थान मिला?

दो भेदियों को राहाब नाम की एक वेश्या के घर में ठहरने का स्थान मिला।

यहोशू 2:4

जब राजा के लोग भेदियों को ढूँढ़ने आए, तो राहाब ने उनके साथ क्या किया?

जब राजा के लोग भेदियों को ढूँढ़ते हुए राहाब के पास आए, तो उसने उन्हें छिपा दिया।

यहोशू 2:5

राहाब ने राजा के पुरुषों से क्या कहा था?

राहाब ने राजा के पुरुषों से कहा कि भेदिये वहाँ आए तो थे, लेकिन पहले ही निकल गए थे।

यहोशू 2:9

राहाब ने भेदियों को क्या कारण बताया कि उसने उन्हें क्यों छिपा दिया था?

राहाब ने भेदियों से कहा कि उसने उन्हें छिपा दिया था क्योंकि वह मानती थी कि यहोवा ने यह देश उन्हें दे दिया है।

यहोशू 2:10

राहाब ने क्या कारण बताए कि उसे विश्वास था कि यहोवा इस्राएलियों को देश देंगे?

राहाब ने कहा कि उसका मानना है कि यहोवा ने इस्राएलियों को यह देश इसलिए दिया था क्योंकि लाल समुद्र का जल सूख गया था जिससे कि वे मिस्र से बचकर निकल सके थे, और उन्होंने एमोरियों के राजाओं का सत्यानाश कर डाला था।

यहोशू 2:12–13

राहाब ने भेदियों से क्या करने को कहा?

राहाब ने भेदियों से कहा कि जब वे उसके देश पर अधिकार करने आए तब वे उस पर दया दिखाए और उस को तथा उसके परिवार को जीवित रख छोड़े।

यहोशू 2:14

भेदियों ने राहाब से क्या शपथ खाई?

भेदियों ने राहाब से शपथ खाई कि अगर वह उन की बात किसी पर प्रकट नहीं करेगी तो वे उसके साथ कृपा और सच्चाई से बर्ताव करेंगे।

यहोशू 2:18

भेदियों ने राहाब से सुरक्षित रहने के लिए क्या करने को कहा?

भेदियों ने राहाब से कहा कि वह अपनी खिड़की में एक लाल रंग के सूत की डोरी बाँध दे और अपने पूरे घराने को अपने घर में इकट्ठा कर ले।

यहोशू 2:23–24

राहाब के नगर से लौटने पर भेदियों ने यहोशू से क्या वर्णन किया?

भेदियों ने यहोशू को जो कुछ उन पर बीता था उसका वर्णन किया, और यह भी कि यहोवा उन्हें वह देश देने वाले थे।

यहोशू 3:3

जब लेवीय याजक इसे ले जा रहे थे तो सरदारों ने लोगों को क्या करने को कहा?

सरदारों ने लोगों से कहा कि जब लेवीय याजक वाचा का सन्दूक ले जा रहे हों तो वे उसके पीछे-पीछे चलें।

यहोशू 3:4

याजकों ने लोगों को वाचा के सन्दूक से लगभग दो हजार हाथ पीछे रहने के लिए क्यों कहा?

याजक ने लोगों से कहा कि वे सन्दूक के पीछे ही चलें, ताकि वे देख सकें कि उन्हें किस मार्ग से चलना है, क्योंकि वे अब तक इस मार्ग पर होकर नहीं चले थे।

यहोशू 3:5

यहोशू ने क्या कहा कि यहोवा उस दिन लोगों के बीच क्या करने वाले थे?

यहोशू ने कहा कि यहोवा उस दिन लोगों के बीच "आश्चर्यकर्म" करने वाले थे।

यहोशू 3:8

यहोवा ने यहोशू से याजकों से क्या कहने को कहा जब वे यरदन के जल के किनारे पहुँचे?

यहोवा ने यहोशू से कहा कि वह याजकों से कहे कि वे यरदन नदी में खड़े रहें।

यहोशू 3:13

यहोशू ने लोगों को क्या बताया कि जब सन्दूक उठानेवाले याजकों के पाँव यरदन के जल में पड़ेंगे तो क्या होगा?

यहोशू ने लोगों से कहा कि जब सन्दूक उठानेवाले याजकों के पाँव यरदन के जल में पड़ेंगे, तब ऊपर से बहता हुआ जल थम जाएगा।

यहोशू 3:16

लोगों ने यरदन नदी को कहाँ पार किया?

लोगों ने यरीहो के पास यरदन नदी को पार किया।

यहोशू 3:17

जब लोग पार हो रहे थे तो वाचा का सन्दूक उठानेवाले याजकों ने क्या किया?

वाचा का सन्दूक उठानेवाले याजक यरदन नदी के बीच स्थल पर स्थिर खड़े रहे, जब लोग पार हो रहे थे।

यहोशू 4:3

यहोवा ने यहोशू से क्या कहा कि वह बारह पुरुषों को यरदन नदी से लाने की आज्ञा दे?

यहोवा ने यहोशू से कहा कि वह बारह पुरुषों को आज्ञा दे कि वे यरदन नदी के बीच में सूखी भूमि से, जहाँ याजक खड़े थे, बारह पत्थर उठाएँ और उन्हें उस स्थान पर ले आएँ जहाँ उन्हें रात में पड़ाव डालना था।

यहोशू 4:7

यहोशू ने पत्थरों को उस स्थान पर ले जाने का क्या उद्देश्य बताया जहाँ उन्हें रात बितानी थी?

ये पत्थर स्मरण दिलानेवाले ठहरेंगे जो इस्राएल के लोगों को हमेशा के लिए याद दिलाएंगे कि यहोवा ने क्या किया था।

यहोशू 4:9

यहोशू ने स्मरण दिलानेवाले बारह पत्थरों को कहाँ पर खड़ा किया था?

यहोशू ने स्मरण दिलानेवाले बारह पत्थरों को वहाँ खड़ा किया जहाँ याजकों ने सूखी भूमि पर यरदन नदी के बीच पाँव धरे थे।

यहोशू 4:13

युद्ध के लिये हथियार बाँधे हुए लगभग कितने पुरुष यरीहो के मैदानों पर संग्राम करने के लिये यहोवा के सामने पार उतरे?

युद्ध के लिये हथियार बाँधे हुए लगभग 40,000 पुरुष यरीहो के मैदानों में संग्राम करने के लिये यहोवा के सामने पार उतरे।

यहोशू 4:18

जब वाचा का सन्दूक उठानेवाले याजक यरदन नदी से बाहर निकल आए तो क्या हुआ?

जब याजक यरदन नदी से बाहर निकल आए, तो यरदन नदी का जल अपने स्थान पर लौट आया।

यहोशू 4:20

यहोशू ने यरदन नदी से निकाले पत्थरों को कहाँ खड़ा किया?

यहोशू ने यरदन नदी से निकाले पत्थरों को गिलगाल में खड़ा किया।

यहोशू 4:24

यहोशू ने लोगों से यह क्यों कहा कि वे अपने बाल-बच्चों को बताएं कि यहोवा ने यरदन नदी पर उनके लिए क्या किया था?

यहोशू ने लोगों से कहा कि वे अपने बाल-बच्चों को बताएं कि यहोवा ने यरदन नदी पर उनके लिए क्या किया है, ताकि पृथ्वी के सब देशों के लोग जान लें कि यहोवा का हाथ बलवन्त है।

यहोशू 5:1

जब एमोरियों और कनानियों के सब राजाओं ने सुना कि यहोवा ने यरदन नदी का जल तब तक सुखा दिया जब तक कि इस्राएली पार न हो गए, तब उनके मन में क्या हुआ?

जब एमोरियों और कनानियों के सब राजाओं ने सुना कि यहोवा ने यरदन नदी का जल सुखा दिया है, तब उनके मन घबरा गए, और उनके जी में जी न रहा।

यहोशू 5:2

यहोवा ने यहोशू को चकमक पत्थर की छुरियों के साथ क्या करने की आज्ञा दी?

यहोवा ने यहोशू को इस्राएल के सब पुरुषों का खतना करने की आज्ञा दी।

यहोशू 5:6–7

यहोशू को इस्राएल के सब पुरुषों का खतना करने की आज्ञा क्यों दी गई थी?

यहोशू को इस्राएल के सब पुरुषों का खतना करने की आज्ञा दी गई थी क्योंकि जंगल में फिरने के दौरान जितने पुत्र उत्पन्न हुए थे उनका खतना नहीं किया गया था।

यहोशू 5:10

इस्राएली महीने के चौदहवें दिन, संध्या को, यरीहो के मैदानों में क्या मानाते थे?

इस्राएलियों ने महीने के चौदहवें दिन, संध्या को, यरीहो के मैदानों में फसह मानाते थे।

यहोशू 5:12

इस्राएल के लोगों द्वारा देश की उपज खाने के अगले दिन क्या आना बन्द हो गया?

जिस दिन इस्राएल के लोगों ने उस देश की उपज खा ली, उसी दिन से मन्ना बन्द हो गया।

यहोशू 5:13

यरीहो के निकट यहोशू की भेंट किससे हुई जो उसके सामने खड़ा था?

यहोशू की भेंट एक पुरुष से हुई जिसके हाथ में नंगी तलवार थी।

यहोशू 5:14

यहोशू ने नंगी तलवार लिये हुए पुरुष से क्या कहा?

यहोशू ने नंगी तलवार लिये हुए पुरुष से पूछा, "क्या तू हमारी ओर का है, या हमारे बैरियों की ओर का?"

यहोशू 5:14 (#2)

नंगी तलवार लिये हुए पुरुष ने कहा कि वह कौन था?

नंगी तलवार लिये हुए पुरुष ने यहोशू से कहा कि वह यहोवा की सेना का प्रधान है।

यहोशू 5:15

यहोवा की सेना के प्रधान ने यहोशू को क्या करने को कहा?

यहोवा की सेना के प्रधान ने यहोशू से कहा कि वह अपनी जूती उतार दे, क्योंकि वह पवित्र स्थान पर था।

यहोशू 6:1

यहोवा ने यरीहो के विषय में यहोशू से क्या वादा किया?

यहोवा ने यहोशू से वादा किया कि वह यरीहो को उसके हाथ में दे देंगे।

यहोशू 6:3

पहले छः दिनों में इस्राएल के लोगों को यरीहो की दीवारों के चारों ओर कितनी बार घूमना था?

इस्राएल के लोगों को छः दिन तक प्रतिदिन एक बार यरीहो की दीवार के चारों ओर घूमना था।

यहोशू 6:5

यहोवा ने सातवें दिन लोगों को क्या करने को कहा?

यहोवा ने लोगों से कहा कि सातवें दिन वे यरीहो के चारों ओर सात बार घूमें, और याजक अपने नरसिंगे फूँकें।

यहोशू 6:5 (#2)

यहोवा ने क्या कहा कि यदि इस्राएल के लोग और याजक ऐसा करेंगे तो क्या होगा?

यहोवा ने कहा कि यदि लोग और याजक ऐसा करेंगे तो यरीहो नगर की शहरपनाह गिर जाएगी।

यहोशू 6:10

यहोशू ने लोगों को सातवें दिन तक क्या न करने की आज्ञा दी?

यहोशू ने लोगों को सातवें दिन तक जयजयकार न करने की आज्ञा दी थी।

यहोशू 6:17

जब यहोवा ने लोगों को नगर दे दिया तो यहोशू ने लोगों से किसे जीवित छोड़ देने के लिए कहा?

यहोशू ने लोगों से कहा कि राहाब और उसके घर में जितने लोग हों उनको जीवित छोड़ दिया जाए क्योंकि उसने भेजे हुए दूतों को छिपा रखा था।

यहोशू 6:19

यहोशू ने लोगों से क्या कहा कि वे कौन सी चीज़ें हैं जो यहोवा के लिये पवित्र हैं और उन्हें भण्डार में रखा जाना चाहिए?

यहोशू ने लोगों से कहा कि चाँदी, सोना, पीतल और लोहे से बने पात्र यहोवा के लिये पवित्र हैं और उन्हें भण्डार में रखा जाना चाहिए।

यहोशू 6:21

जब यरीहो की शहरपनाह गिर गई तो इस्राएल के लोगों ने क्या किया?

इस्राएल के लोगों ने नगर को ले लिया और नगर में रहने वाले सभी लोगों को तलवार से मार डाला।

यहोशू 6:22

यहोशू ने उन दो पुरुषों को, जिन्होंने उस देश का भेद लिया था, क्या करने की आज्ञा दी?

यहोशू ने दोनों पुरुषों को आज्ञा दी कि वे अपनी शपथ के अनुसार उस वेश्या के घर में जाएं और उसे तथा उसके साथ के सभी लोगों को बाहर निकल कर ले आएं।

यहोशू 6:26

यहोशू ने क्या कहा कि यरीहो को फिर से बनाने की कोशिश करने वाले व्यक्ति का क्या होगा?

यहोशू ने कहा कि जो व्यक्ति यरीहो का फिर से बनाने का प्रयास करेगा, वह श्रापित होगा।

यहोशू 7:1

यहोवा का कोप इस्राएल के लोगों पर क्यों भड़क उठा?

यहोवा का कोप इस्राएल के लोगों के विरुद्ध भड़क उठा क्योंकि आकान ने अपने लिये कुछ ऐसी वस्तुओं को ले लिया था जो विनाश के लिये थीं।

यहोशू 7:3

यहोशू द्वारा आई में भेजे गए भेद लेने वालों ने यहोशू को वापस आकर क्या बताया?

आई में भेजे गए भेद लेने वाले लोगों ने यहोशू को बताया कि केवल एक छोटी सेना ही आई को जीत सकती है क्योंकि वहाँ बहुत थोड़े लोग ही हैं।

यहोशू 7:5

आई पर आक्रमण करने वाली तीन हजार लोगों की छोटी सेना का क्या हुआ?

आई पर आक्रमण करने वाली छोटी सेना को आई के रहनेवालों ने पीछा करके मारा और छत्तीस पुरुष मार डाले गए।

यहोशू 7:6

जब यहोशू को आई में अपनी सेना की हार का पता चला तो उसने क्या किया?

जब यहोशू को आई में अपनी सेना की हार का पता चला, तो उसने अपने वस्त्र फाड़े, अपने सिर पर धूल डाली, और सन्दूक के सामने मुँह के बल भूमि पर पड़ा रहा।

यहोशू 7:11

यहोवा ने यहोशू को क्या बताया कि आई में उसकी सेना क्यों पराजित हुई?

यहोवा ने यहोशू से कहा कि उसकी सेना इसलिए पराजित हुई क्योंकि इस्राएलियों ने अर्पण की वस्तुओं में से कुछ वस्तुओं को चुराकर पाप किया था।

यहोशू 7:13

यहोवा ने यहोशू को क्या करने को कहा?

यहोवा ने यहोशू से कहा कि उठ और लोगों को पवित्र कर कि वे अर्पण की वस्तु को दे दें।

यहोशू 7:15

यहोवा ने क्या कहा कि उस व्यक्ति का क्या होगा जिसने अर्पण की वस्तु को चुराया है?

यहोवा ने कहा कि जिसने भी अर्पण की वस्तु को चुराया है, वह और जो कुछ उसका हो सब कुछ आग में डालकर जला दिया जाएगा।

यहोशू 7:21

आकान ने यहोशू को क्या बताया कि उसने क्या रख लिया था?

आकान ने यहोशू को बताया कि उसने एक सुन्दर ओढ़ना, दो सौ शेकेल चाँदी और एक सोने की ईंट रख ली थी।

यहोशू 7:21 (#2)

आकान ने यहोशू को कहाँ बताया कि उसने जो चीज़ें रख ली थीं उन्हें उसने कहाँ छिपा दिया था?

आकान ने यहोशू को बताया कि उसने जो चीज़ें रख ली थीं, उसने उन्हें अपने डेरे के भीतर भूमि में गाड़ दिया था।

यहोशू 7:24

यहोशू और सारे इस्राएली आकान और जो कुछ उसका था उसको कहाँ ले गए?

यहोशू और सारे इस्राएली आकान और जो कुछ उसका था, उसको लेकर आकोर की तराई में गए।

यहोशू 7:26

यहोवा के भड़के हुए कोप का क्या हुआ?

यहोवा का भड़का हुआ कोप शान्त हो गया।

यहोशू 8:1–2

आई नगर पर कब्ज़ा करने के लिए यहोवा ने यहोशू को क्या करने को कहा?

यहोवा ने यहोशू से कहा कि वे सब योद्धाओं को साथ ले और आई पर चढ़ाई करे और नगर के पीछे की ओर से घात में रहे।

यहोशू 8:2

आई से लूट का लोगों को क्या करना चाहिए था?

यहोवा ने लोगों से कहा कि वे लूट और पशुओं को वे अपने लिये ले सकते हैं।

यहोशू 8:3

यहोशू ने तीस हजार शूरवीर पुरुषों को आई में कब भेजा?

यहोशू ने तीस हजार शूरवीर पुरुषों को रात में ही आई के लिए भेजा।

यहोशू 8:4

जब उसके पुरुष नगर के पास पहुँचे तो यहोशू ने उनके साथ क्या करने की योजना बनाई?

जब यहोशू अपने पुरुषों के साथ नगर के पास आता और नगर के लोग हमला करने के लिए बाहर आते, तो यहोशू के पुरुष पहले की तरह भाग जाते।

यहोशू 8:8

जब यहोशू के पुरुषों ने नगर को ले लिया तो उन्हें क्या करना था?

जब पुरुषों ने नगर लो ले लिया, तो उन्हें इसे आग लगाकर फूँक देना था।

यहोशू 8:15–17

जब यहोशू की सेना जंगल की ओर भाग गई तो आई के लोगों ने क्या किया?

आई के पुरुषों ने यहोशू की सेना का पीछा किया जब वे जंगल की ओर भागे, जब तक कि नगर में एक भी पुरुष नहीं रह गया।

यहोशू 8:18

जब यहोशू अपनी सेना को नगर को ले लेने के लिए तैयार कर रहा था, तो यहोवा ने उसे क्या संकेत देने को कहा?

यहोवा ने यहोशू से कहा कि वह अपने हाथ का बर्छा आई की ओर बढ़ाए।

यहोशू 8:23

इस्राएल के पुरुषों ने किसे जीवित पकड़ लिया और यहोशू के पास लाए?

इस्राएल के पुरुषों ने आई के राजा को जीवित पकड़ लिया और उन्हें यहोशू के पास ले आए।

यहोशू 8:26

यहोशू ने आई नगर में किसका सत्यानाश कर डाला?

यहोशू ने आई के सब निवासियों का सत्यानाश कर डाला।

यहोशू 8:27

इस्राएलियों ने आई नगर को जलाने से पहले वहाँ से क्या लिया?

इस्राएलियों ने पशु और लूट को ले लिया, जैसा यहोवा ने यहोशू को आज्ञा दी थी।

यहोशू 8:29

यहोशू ने आई के राजा के साथ क्या किया?

यहोशू ने आई के राजा को एक वृक्ष पर लटका दिया और फिर उसके शव को नगर के फाटक के सामने डाल दिया।

यहोशू 9:1–2

यरदन नदी के पार पहाड़ी देश में रहने वाले राजाओं ने यहोशू और इस्राएल के विरुद्ध युद्ध करने के लिए क्या किया?

यरदन नदी के पार पहाड़ी देश में रहने वाले राजाओं ने एक साथ मिलकर यहोशू और इस्राएल को हराने का निश्चय किया।

यहोशू 9:3–4

किसने चालाक योजना के साथ काम किया?

गिबोन के निवासियों ने एक चालाक योजना के साथ काम किया।

यहोशू 9:4–5

गिबोनी "राजदूतों" ने स्वयं को कैसे तैयार किया?

गिबोन के लोगों ने पुराने फटे बोरे लिए और उन्हें अपने गदहों पर लाद लिया। उन्होंने जोड़े हुए मदिरा के कुप्पे लिए, पैबन्द लगी हुई जूतियाँ पहनी और पुराने वस्त्र पहने। उन्होंने सूखी और फफूंदी लगी हुई रोटी भी ली।

यहोशू 9:6

जब गिबोनी गिलगाल में यहोशू के पास आए तो उन्होंने बताया कि वे कहाँ से आए थे?

गिबोनियों ने कहा कि वे दूर देश से आए थे।

यहोशू 9:6 (#2)

गिबोनी इस्राएल के लोगों से क्या करवाना चाहते थे?

गिबोनी चाहते थे कि इस्राएल के लोग उनके साथ वाचा बाँध लें।

यहोशू 9:14

इस्राएली क्या करने में असफल रहे?

इस्राएलियों ने मार्गदर्शन के लिए यहोवा से सलाह नहीं ली।

यहोशू 9:15

यहोशू ने गिबोन के लोगों से क्या वाचा बाँधी?

यहोशू ने उनके साथ मेल करके और उन्हें जीवित छोड़ देने की वाचा बाँधी।

यहोशू 9:16

कुछ ही दिनों बाद इस्राएलियों को गिबोन के लोगों के बारे में क्या समाचार मिला?

इस्राएलियों को समाचार मिला कि गिबोन के लोग उनके पड़ोस के रहनेवाले लोग थे और उनके ही मध्य में बसे थे।

यहोशू 9:18–19

इस्राएलियों ने गिबोन के लोगों पर आक्रमण क्यों नहीं किया?

इस्राएलियों ने गिबोन के लोगों पर आक्रमण नहीं किया क्योंकि उन्होंने यहोवा के सामने उनके विषय में शपथ खाई थी।

यहोशू 9:21

गिबोनियों ने इस्राएलियों के लिए क्या किया?

गिबोनी इस्राएलियों के लिए लकड़हारे और पानी भरनेवाले बन गए।

यहोशू 9:24

गिबोनियों ने यहोशू को क्या कारण बताया कि उन्होंने उसके साथ छल क्यों किया?

गिबोनियों ने यहोशू से कहा कि उन लोगों को अपने प्राणों के लाले पड़ गए थे।

यहोशू 9:26–27

गिबोनियों का क्या होगा?

यहोशू ने उन्हें इस्राएलियों से अलग कर दिया और उन्हें मण्डली और यहोवा की वेदी के लिये लकड़हारे और पानी भरनेवाले नियुक्त कर दिया।

यहोशू 10:2

यरूशलेम के लोग इस बात से क्यों डरे हुए थे कि गिबोन के लोगों ने इस्राएलियों के साथ मेल कर लिया है?

यरूशलेम के लोग डर गए क्योंकि गिबोन एक बड़ा नगर था, जो आई से भी बड़ा था, और उसके सब निवासी शूरवीर थे।

यहोशू 10:3–4

यरूशलेम के राजा ने अन्य राजाओं से क्या करने को कहा?

यरूशलेम के राजा ने अन्य राजाओं से अनुरोध किया कि वे उसके पास आए और गिबोन को मारने में उसकी सहायता करें।

यहोशू 10:5

राजाओं ने क्या किया?

वे अपनी-अपनी सारी सेना के साथ आए और गिबोन पर चढ़ाई कर दी।

यहोशू 10:6

जब गिबोन के लोगों ने सभी राजाओं और उनकी सेनाओं को देखा तो उन्होंने क्या किया?

गिबोन के लोगों ने यहोशू को यह कहला भेजा कि वह आकर उनकी सहायता करें।

यहोशू 10:8

यहोवा ने यहोशू से क्या कहा?

यहोवा ने यहोशू से कहा कि राजाओं को उसके हाथ में कर दिया गया है।

यहोशू 10:11

यहोवा ने अधिकांश शत्रुओं को कैसे मार डाला?

यहोवा ने आकाश से बड़े-बड़े पत्थर उन पर बरसाएँ जिनसे इस्राएलियों की तलवार से मारे गए लोगों से भी अधिक लोग मारे गए।

यहोशू 10:12

जिस दिन यहोवा ने इस्राएलियों को विजय दिलाई, उस दिन यहोशू ने यहोवा से क्या कहा?

यहोशू ने यहोवा से कहा, "हे सूर्य, तू गिबोन पर, और हे चन्द्रमा, तू अय्यालोन की तराई के ऊपर थमा रह।"

यहोशू 10:16

पाँच राजाओं का क्या हुआ?

पाँचों राजा मक्केदा की गुफा में छिप गए।

यहोशू 10:20

राजाओं की सेनाओं का क्या हुआ?

इस्राएलियों ने उनमें से अधिकांश का नाश कर डाला। केवल कुछ ही लोग बच पाए।

यहोशू 10:26–27

मक्केदा की गुफा में छिपे पाँच राजाओं का क्या हुआ?

गुफा में छिपे पाँच राजाओं को यहोशू के पास लाया गया, उन्हें मरवा डाला गया, साँझ तक उन्हें पाँच वृक्षों पर लटका दिया गया और फिर गुफा में डाल दिया गया।

यहोशू 10:40

यहोशू और इस्राएल की सेना ने पहाड़ी देश, नेगेव, निचले प्रदेश और तराई के देश में क्या किया?

यहोशू और इस्राएल की सेना ने सब राजाओं को पराजित कर दिया और एक भी जीवित नहीं बचा।

यहोशू 10:42

यहोशू इन सब राजाओं और उनके देशों को ले लेने में इतना सफल क्यों हुआ?

यहोशू इन सब राजाओं और उनके देशों को ले लेने में सफल रहा क्योंकि इस्राएल के परमेश्वर यहोवा इस्राएलियों की ओर से लड़ते थे।

यहोशू 11:1–3

हासोर के राजा याबीन ने जब गिबोन में इस्राएलियों की विजय के बारे में सुना तो उसने क्या किया?

उसने क्षेत्र के कई राजाओं को संदेश कहला भेजा।

यहोशू 11:4

उनकी संख्या कैसी प्रतीत हो रही थी?

उनकी संख्या समुद्र के किनारे रेतकणों के समान प्रतीत हो रही थी।

यहोशू 11:4–5

याबीन के संदेश पर राजाओं की क्या प्रतिक्रिया थी?

याबीन के संदेश के प्रत्युत्तर में वे अपनी-अपनी सेना समेत निकल आए और सम्मति करके इकट्ठे हुए और इस्राएलियों से लड़ने को मेरोम के ताल के पास छावनी डाली।

यहोशू 11:6

युद्ध कहाँ हुआ?

युद्ध मेरोम नामक ताल के पास हुआ।

यहोशू 11:6 (#2)

यहोवा ने यहोशू से क्या कहा कि उसे युद्ध के बाद वह क्या करना होगा?

यहोवा ने यहोशू से कहा कि उसे उनके घोड़ों के घुटनों की नस को काट देना होगा और उनके रथ को भस्म करना होगा।

यहोशू 11:10–11

यहोशू ने हासोर और उसके राजा के साथ क्या किया?

यहोशू ने नगर को आग लगाकर फुँकवा दिया और राजा को अपनी तलवार से मार डाला।

यहोशू 11:12–13

यहोशू ने इस्राएल के साथ युद्ध करने वाले बाकी राजाओं और नगरों के साथ क्या किया?

यहोशू ने राजाओं को पकड़ लिया और उन्हें सत्यानाश कर डाला, परन्तु उसने उनके नगरों को नहीं फुँकवाया।

यहोशू 11:14

मूसा ने यहोशू को क्या करने की आज्ञा दी थी?

मूसा ने यहोशू को हर एक मनुष्य को मार डालने की आज्ञा दी थी।

यहोशू 11:15

क्या यहोशू ने वह सब किया जो मूसा ने उसे करने की आज्ञा दी थी?

हाँ। यहोशू ने वह सब किया जो मूसा ने उसे करने की आज्ञा दी थी।

यहोशू 11:19

वह एकमात्र कौन सा नगर था जिसने इस्राएलियों के साथ मेल किया था?

गिबोन ही एकमात्र नगर था जिसने इस्राएलियों के साथ मेल किया था।

यहोशू 12:1

इस्राएलियों ने यरदन नदी के पूर्व की ओर के देश के साथ क्या किया?

उन्होंने यरदन नदी के पूर्वी तट पर स्थित उस देश पर अधिकार कर लिया जहाँ से सूर्योदय होता है।

यहोशू 12:6

जब इस्राएलियों ने यरदन नदी के पूर्वी किनारे पर लोगों को हराया तो उनका नेतृत्व किसने किया?

यहोवा के सेवक मूसा ने उनका नेतृत्व किया जब उन्होंने यरदन नदी के पूर्वी किनारे पर लोगों को हराया।

यहोशू 12:7

जब इस्राएलियों ने यरदन नदी के पश्चिमी किनारे पर लोगों को हराया तो उनका नेतृत्व किसने किया?

यहोशू ने उनका नेतृत्व किया जब उन्होंने यरदन नदी के पश्चिमी किनारे पर लोगों को हराया।

यहोशू 12:24

यहोशू और इस्राएलियों ने उस देश में कितने राजाओं को हराया जो यहोवा ने उन्हें दिया था?

यहोशू और इस्राएलियों ने उस सारे देश जो यहोवा ने उन्हें दिया था इकतीस राजाओं को हराया।

यहोशू 13:1

यहोवा ने यहोशू से क्यों कहा कि अभी भी बहुत से देशों पर अधिकार करना रह गया है?

यहोवा ने यहोशू से कहा कि अभी भी बहुत से देशों पर अधिकार करना रह गया है क्योंकि यहोशू बूढ़ा और बहुत उम्र का हो गया था।

यहोशू 13:6

जब यहोशू ने इस्राएलियों की सेना के सामने से निवासियों को निकाल दिया, तो यहोवा ने उसे क्या करने के लिए कहा?

यहोवा ने यहोशू से कहा कि वह यहोवा की आज्ञा के अनुसार इस देश को इस्राएल का भाग होने के लिये बाँट दे।

यहोशू 13:7

देश को किसे बाँटा जाना चाहिए?

देश को नौ गोत्रों और मनश्शे के आधे गोत्र के बीच उनका भाग होने के लिये बाँटा जाना चाहिए।

यहोशू 13:8

अन्य ढाई गोत्रों को उनका भाग पहले ही कहाँ मिल चुका था?

मनश्शे के आधे गोत्र, रूबेनियों और गादियों को अपना भाग यरदन के पूर्व की ओर मिल चुका था।

यहोशू 13:14

मूसा ने किस एक गोत्रियों को भाग नहीं दिया?

मूसा ने लेवी के गोत्रियों को कोई भी भाग नहीं दिया।

यहोशू 13:14 (#2)

मूसा ने लेवी के गोत्रियों को क्या भाग दिया?

मूसा ने लेवी के गोत्रियों को "इस्राएल के परमेश्वर यहोवा के हव्य" को भाग के रूप में दिया था।

यहोशू 13:23

रूबेन के गोत्र की सीमा क्या थी?

रूबेन के गोत्र की सीमा यरदन नदी का किनारा था।

यहोशू 14:4

यूसुफ के गोत्र में कौन से दो गोत्र शामिल थे?

मनश्शे और एप्रैम के गोत्रों से यूसुफ का गोत्र बना।

यहोशू 14:7

कालेब की आयु कितनी थी जब यहोवा के सेवक मूसा ने उसे देश का भेद लेने के लिए भेजा था?

वह चालीस वर्ष का था जब यहोवा के सेवक मूसा ने उसे कादेशबर्ने से देश का भेद लेने के लिये भेजा।

यहोशू 14:9

मूसा ने कालेब को क्या देने की शपथ खाई?

मूसा ने शपथ खाकर कहा कि वह कालेब को वह भूमि देगा जिस पर उसके पाँव धरे हैं, और वह भूमि सदा के लिये उसका और उसके वंश का भाग होगी।

यहोशू 14:10

जब कालेब यहोशू के पास आया तो वह कितने वर्ष का था?

जब कालेब यहोशू के पास आया तो वह पैंतालीस वर्ष का था।

यहोशू 14:12

कालेब ने यहोशू से क्या माँगा?

कालेब ने यहोशू से पहाड़ी प्रदेश को उसे भाग में देने के लिए कहा।

यहोशू 15:1

दक्षिण में सबसे दूर वह कौन सा स्थान था जहाँ तक यहूदा देश फैला हुआ था?

दक्षिण में सबसे दूर सीन का जंगल था।

यहोशू 15:5

यहूदा के देश की पूर्वी सीमा कहाँ तक थी?

पूर्वी सीमा खारा ताल तक थी।

यहोशू 15:8

यबूस के नगर का नाम क्या था?

यबूस का नगर यरूशलेम था।

यहोशू 15:12

यहूदा के कुल की पश्चिमी सीमा क्या थी?

यहूदा के कुल की पश्चिमी सीमा महासमुद्र और उसका तट था।

यहोशू 15:19

जब अकसा ने कालेब से माँगा, तो उसने उसे क्या दिया?

जब अकसा ने माँगा तो कालेब ने उसे ऊपर और नीचे के सोते दे दिए।

यहोशू 15:63

यहूदा के गोत्र द्वारा किन लोगों को यरूशलेम से बाहर नहीं निकाला जा सका?

यहूदा के गोत्र द्वारा यबूसियों को यरूशलेम से बाहर नहीं निकाला जा सका।

यहोशू 16:4

यूसुफ के वे दो गोत्र कौन थे जिन्हें एक साथ भाग मिला?

मनश्शे और एप्रैम के गोत्र, यूसुफ के वंशज।

यहोशू 16:10

एप्रैम के गोत्र ने गेजेर से किन लोगों को नहीं निकाला?

एप्रैम का गोत्र गेजेर से कनानियों को बाहर नहीं निकाला।

यहोशू 17:1

यूसुफ का जेठा कौन था?

मनश्शे यूसुफ का जेठा था।

यहोशू 17:1 (#2)

माकीर कौन था?

माकीर मनश्शे का जेठा पुत्र और गिलाद का पिता था।

यहोशू 17:4

सलोफाद की बेटियाँ एलीआजर, यहोशू और प्रधानों के पास क्यों गईं?

सलोफाद की बेटियाँ एलीआजर, यहोशू और प्रधानों के पास गईं क्योंकि उनके पास भाग को पाने के लिए कोई भाई नहीं था।

यहोशू 17:4 (#2)

यहोशू ने सलोफाद की बेटियों के लिए क्या किया?

यहोशू ने सलोफाद की बेटियों को उनके चाचाओं के बीच एक भाग दे दिया।

यहोशू 17:13

जब इस्राएली सामर्थी हो गए तो इस्राएलियों ने कनानियों के साथ क्या किया?

जब इस्राएली सामर्थी हो गए, तो उन्होंने कनानियों से बेगारी करवाई।

यहोशू 17:14

यूसुफ के वंशजों ने यहोशू से क्या कहा?

यूसुफ के वंशजों ने यहोशू से कहा कि पहाड़ी देश उनकी गिनती के लिए पर्याप्त नहीं है।

यहोशू 17:15

यहोशू ने यूसुफ के वंशजों से क्या कहा?

यहोशू ने यूसुफ के वंशजों से कहा कि वे जंगल में जाकर परिज्जियों और रपाइयों के देश में जाकर पेड़ों को काटें।

यहोशू 18:2

जब सारी मण्डली शीलो में इकट्ठी हुई, तब इस्राएलियों के कितने गोत्रों को भाग नहीं मिला था?

जब सारी मण्डली शीलो में इकट्ठी हुई, तब इस्राएलियों के सात गोत्रों को भाग नहीं मिला था।

यहोशू 18:4

यहोशू ने देश का हाल लेने के लिए किसे भेजा?

यहोशू ने सातों गोत्रों में से प्रत्येक से तीन पुरुषों को भूमि का हाल लेने के लिए भेजा।

यहोशू 18:4 (#2)

प्रत्येक गोत्र से तीन मनुष्यों को यहोशू को क्या विवरण देना था?

प्रत्येक गोत्र के तीन मनुष्यों को अपने गोत्र के भाग के प्रयोजन के अनुसार देश का हाल लिखना था, और फिर उन्हें यहोशू के पास लौट आना था।

यहोशू 18:10

सर्वेक्षण करने के बाद जब वे लोग यहोशू के पास वापस आए तो उसने क्या किया?

जब वे लोग देश का सर्वेक्षण करके लौटे, तो यहोशू ने यहोवा के सामने शीलो में उनके लिये चिट्ठियाँ डालीं।

यहोशू 18:11

बिन्यामीनियों के गोत्र को किन दो गोत्रों के बीच भाग मिला?

बिन्यामीनियों के गोत्र को यहूदियों और यूसुफियों के बीच का देश भाग के रूप में मिला।

यहोशू 19:1

दूसरी चिट्ठी किस गोत्र के लिए निकली?

दूसरी चिट्ठी शिमोनियों के नाम पर निकली।

यहोशू 19:9

शिमोनियों को उनका भाग किस गोत्र के क्षेत्र से मिली?

शिमोनियों को उनका भाग यहूदियों के गोत्र के भाग में से मिला।

यहोशू 19:9 (#2)

शिमोनियों का भाग यहूदियों के अंश से क्यों दिया गया?

शिमोनियों का भाग यहूदियों के अंश से दिया गया क्योंकि यहूदियों का भाग उनके लिये बहुत था।

यहोशू 19:10

तीसरी चिट्ठी किस गोत्र के नाम पर निकली?

तीसरी चिट्ठी जबूलून के गोत्र के नाम पर निकली।

यहोशू 19:17

चौथी चिट्ठी किस गोत्र के नाम पर निकली?

चौथी चिट्ठी इस्साकारियों के कुलों के नाम पर निकली।

यहोशू 19:24

पाँचवीं चिट्ठी किस गोत्र के नाम पर निकली?

पाँचवीं चिट्ठी आशेरियों के गोत्र के कुलों के नाम पर निकली।

यहोशू 19:32

छठवीं चिट्ठी किस कुल के नाम पर निकली?

छठवीं चिट्ठी नप्तालियों के कुलों के नाम पर निकली।

यहोशू 19:38

नप्ताली के गोत्र के भाग में कितने नगर शामिल थे?

नप्ताली के गोत्र के भाग में उन्नीस नगर शामिल थे।

यहोशू 19:40

सातवीं चिट्ठी किस गोत्र के नाम पर निकली?

सातवीं चिट्ठी दान के गोत्र के नाम पर निकली।

यहोशू 19:50

जब इस्राएल के लोगों ने देश का बंटवारा पूरा कर लिया तो उन्होंने यहोशू को क्या भाग दिया?

इस्राएल के लोगों ने यहोवा की आज्ञा से यहोशू को वह नगर दिया जिसे उसने माँगा था, अर्थात् तिम्नत्सेरह।

यहोशू 20:2

यहोवा ने यहोशू को लोगों से क्या कहने को कहा?

यहोवा ने यहोशू से कहा कि वह लोगों से कहे कि वे शरण नगरों को ठहरा दिया।

यहोशू 20:3

शरणस्थान क्या है?

शरणस्थान वह नगर होता है जहाँ भूल से बिना जाने में किसी व्यक्ति को मार डालने वाला व्यक्ति, मारे गए व्यक्ति के खून का पलटा लेने के लिये किसी से बचने के लिये जा सकता है।

यहोशू 20:4

जिस व्यक्ति ने किसी दूसरे को मार डाला हो, वह अपना मुकद्दमा किसे और कहाँ सुनाएगा?

जिस व्यक्ति ने किसी दूसरे को मार डाला हो, वह नगर के फाटक पर खड़ा होकर उस नगर के पुरनियों को अपना मुकद्दमा कह सुनाए।

यहोशू 20:6

जब कोई व्यक्ति शरण नगर में भाग जाता था और न्याय के लिए मण्डली के सामने खड़ा होता था, तो उसे अपने घर लौटने की अनुमति देने से पहले और क्या होना चाहिए था?

वह महायाजक की मृत्यु तक शरण नगर को छोड़कर घर नहीं लौट सकता था।

यहोशू 20:9

आरोपी व्यक्ति शरणस्थान में क्या करेगा ताकि वह उस व्यक्ति द्वारा मार डाले जाने से बच सके जो बहाए गए खून का पलटा लेना चाहता था?

आरोपी व्यक्ति को पहले मण्डली के सामने खड़ा होना पड़ेगा।

यहोशू 21:1–2

किसने इस्राएल के लोगों से बसने के लिये नगर और पशुओं के लिये चराइयाँ देने की माँग की?

लेवियों के कुलों ने इस्राएल के लोगों से बसने के लिये नगर और अपने पशुओं के लिये चराइयाँ देने की माँग की।

यहोशू 21:8

इस्राएलियों ने लेवियों को दिए जाने वाले नगरों और चराइयों का चुनाव कैसे किया?

इस्राएलियों ने यहोवा की आज्ञा के अनुसार, चिट्ठियाँ डालकर लेवियों को दिए जाने वाले नगरों और चराइयों का चुनाव किया।

यहोशू 21:19

हारूनवंशियों को कितने नगर मिले?

हारूनवंशियों को कुल मिलाकर तेरह नगर मिले।

यहोशू 21:26

कहातियों के कुलों को कितने नगर दिए गए?

कहातियों के कुलों को दस नगर मिले।

यहोशू 21:33

गेर्शोनियों के कुलों को कितने नगर दिए गए थे?

गेर्शोनियों के कुलों को तेरह मरारी नगर मिले।

यहोशू 21:40

मरारियों के कुलों को कितने नगर दिए गए थे?

मरारियों के कुलों को कुल मिलाकर बारह नगर मिले।

यहोशू 21:41

इस्राएलियों की निज भूमि के मध्य से सभी लेवियों को कितने नगर दिए गए थे?

लेवियों को निज भूमि के बीच से अड़तालीस नगर दिए गए, जिनमें उनकी चराइयाँ भी शामिल थीं।

यहोशू 21:44

यहोवा ने इस्राएलियों के पूर्वजों से क्या शपथ खायी थी?

यहोवा ने शपथ खाकर कहा था कि वह उन्हें वह देश देंगे जिस पर उनका अधिकार है, और चारों ओर से विश्राम देंगे।

यहोशू 22:1–3

यहोशू ने रूबेनियों, गादियों और मनश्शे के आधे गोत्रियों की क्या प्रशंसा की?

यहोशू ने उनकी सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने वह सब कुछ माना है जो मूसा और यहोशू ने उन्हें आज्ञा दी थी और उन्होंने अपने भाइयों को नहीं छोड़ा है बल्कि अपने परमेश्वर यहोवा की आज्ञा चौकसी से मानी है।

यहोशू 22:5

यहोशू ने इन गोत्रों को अपने डेरों में लौटते समय किस बात का विशेष ध्यान रखने को कहा?

यहोशू ने इन गोत्रों से कहा कि वे मूसा द्वारा दी गई आज्ञाओं और व्यवस्था का पालन करने में बहुत चौकसी करें।

यहोशू 22:8

यहोशू ने मनश्शे के गोत्र के आधे लोगों को अपने भाइयों के बीच क्या बाँटने को कहा?

यहोशू ने मनश्शे के आधे गोत्र को आदेश दिया कि वे लूट की सम्पत्ति अपने भाइयों के संग बाँट लें।

यहोशू 22:10–11

रूबेनियों, गादियों और मनश्शे के आधे गोत्रियों ने यरदन के पास क्या किया जिससे कनान देश में इस्राएली क्रोधित हो गए?

रूबेनियों, गादियों और मनश्शे के आधे गोत्रियों ने इस्राएलियों के भाग में जो यरदन नदी की तराई में है एक बड़ी वेदी बनाई।

यहोशू 22:12

जब इस्राएलियों ने वेदी के बारे में सुना तो उन्होंने क्या किया?

जब इस्राएलियों ने वेदी के बारे में सुना तो वे उन गोत्रों के विरुद्ध लड़ने के लिये शीलो में इकट्ठे हुए।

यहोशू 22:13–14

इस्राएलियों ने रूबेनियों, गादियों, और मनश्शे के आधे गोत्रियों के पास किसको दूत करके भेजा?

इस्राएलियों ने पीनहास, जो एलीआजर का पुत्र और याजक था, और दस प्रधानों को दूत के रूप में रूबेनियों, गादियों, और मनश्शे के आधे गोत्रियों के पास भेजा।

यहोशू 22:16

इस्राएल के लोगों के दूतों ने रूबेनियों, गादियों, और मनश्शे के आधे गोत्रियों के लोगों से क्या कहा?

इस्राएल के लोगों के दूतों ने रूबेनियों, गादियों, और मनश्शे के आधे गोत्रियों के लोगों से कहा, "तुम ने इस्राएल के परमेश्वर यहोवा का यह कैसा विश्वासघात किया; आज जो तुम ने एक वेदी बना ली है...?"

यहोशू 22:18

यदि रूबेन, गाद और मनश्शे के आधे गोत्रियों के लोग यहोवा के विरुद्ध बलवा करते तो इस्राएलियों को किस बात की चिन्ता थी?

इस्राएली चिन्तित थे कि यदि रूबेन, गाद और मनश्शे के आधे गोत्रियों के लोग यहोवा के विरुद्ध बलवा करेंगे, तो यहोवा इस्राएल की सारी मण्डली से क्रोधित होंगे।

यहोशू 22:26–27

रूबेन, गाद और मनश्शे के आधे गोत्रियों ने इस्राएल के दूतों से क्या कहा?

रूबेन, गाद और मनश्शे के आधे गोत्रियों ने इस्राएल के दूतों से कहा कि उन्होंने वेदी होमबलि या मेलबलि के लिये नहीं, बल्कि अपने और इस्राएलियों के बीच एक साक्षी के रूप में बनाई है ताकि वे यहोवा के सम्मुख उनकी उपासना करें और यह भविष्य में उनकी सन्तानें भी देख सकें।

यहोशू 22:30

पीनहास याजक और अन्य दूतों ने रूबेनियों, गादियों और मनश्शे से जो बातें सुनी थीं, उनके विषय में क्या कहा?

पीनहास और अन्य दूतों ने कहा कि रूबेनियों, गादियों और मनश्शे के द्वारा कही गई बातों से वे अति प्रसन्न थे।

यहोशू 22:33

जब पीनहास और दूतों ने इस्राएलियों को समाचार दिया तो उन्होंने क्या किया?

इस्राएलियों ने परमेश्वर को धन्य कहा और लड़ने के विषय में फिर कभी चर्चा नहीं की।

यहोशू 22:34

रूबेनियों और गादियों ने वेदी का क्या नाम रखा?

रूबेनियों और गादियों ने वेदी का नाम "साक्षी" रखा।

यहोशू 23:1–2

जब यहोवा ने इस्राएलियों को उसके सभी शत्रुओं से विश्राम दे दिया, तब यहोशू ने क्या किया?

जब यहोवा ने इस्राएलियों को उसके सभी शत्रुओं से विश्राम दिया, तब यहोशू ने सब इस्राएलियों को बुलाया।

यहोशू 23:3

यहोशू ने कहा कि उनकी ओर से कौन लड़ता आया था?

यहोशू ने कहा कि यहोवा उनकी ओर से लड़ते आए थे।

यहोशू 23:7

यहोशू ने लोगों से क्या न कहने को कहा?

यहोशू ने लोगों से कहा कि वे उन जातियों के देवताओं के नामों की चर्चा न करें जो उनके बीच रह गई हैं।

यहोशू 23:13

यहोशू ने क्या कहा कि यदि वे उन जातियों के बचे हुओं से शादी कर लें जो उनके बीच में रह गई, तो यहोवा क्या करेंगे?

यहोशू ने लोगों से कहा कि यदि वे उन जातियों के लोगों से ब्याह शादी करेंगे जो उनके बीच रह गए हैं, तो यहोवा उन्हें उस अच्छी भूमि से नष्ट कर देंगे जो उन्हें दी गई है।

यहोशू 23:14

यहोशू ने क्या कहा कि उसके साथ क्या होने वाला है?

यहोशू ने कहा कि वह अब सब संसारियों की गति पर जानेवाला है।

यहोशू 23:16

यहोशू ने क्या कहा कि यहोवा इस्राएलियों पर विपत्ति की सब बातें कब लाएँगे?

यहोशू ने कहा कि यदि इस्राएली यहोवा की वाचा का उल्लंघन करेंगे तो यहोवा उन पर विपत्ति की सब बातें लाएँगे।

यहोशू 24:1

यहोशू ने किससे बात की और उसने उनसे कहाँ बात की?

यहोशू ने इस्राएल के सब गोत्रों को शेकेम में इकट्ठा किया और इस्राएल के वृद्ध लोगों, और मुख्य पुरुषों, और न्यायियों, और सरदारों से बात की।

यहोशू 24:13

यहोवा ने क्या कहा कि उन्होंने इस्राएल के लोगों को क्या दिया है?

यहोवा ने कहा कि उन्होंने इस्राएल के लोगों को वह देश दिया है जिस पर उन्होंने परिश्रम नहीं किया था, वह नगर दिए हैं जिसे उन्होंने नहीं बनाया था, तथा वह दाख और जैतून के बगीचे दिए हैं जिन्हें उन्होंने नहीं लगाया था।

यहोशू 24:15

यहोशू ने अपने और अपने घराने के बारे में क्या कहा?

यहोशू ने कहा कि वह और उसका घराना यहोवा ही की सेवा करेंगे।

यहोशू 24:18

इस्राएल के लोगों ने यहोशू को क्या उत्तर दिया?

इस्राएल के लोगों ने यहोशू को उत्तर दिया कि वे भी यहोवा की सेवा करेंगे।

यहोशू 24:19

यहोशू ने इस्राएलियों को क्या उत्तर दिया?

यहोशू ने इस्राएलियों से कहा कि वे अपने अपराधों और पापों के कारण यहोवा की सेवा नहीं कर सकते।

यहोशू 24:21

इस्राएल के लोगों ने अंततः यहोशू से क्या कहा?

इस्राएल के लोगों ने अंततः यहोशू से कहा, "नहीं; हम यहोवा ही की सेवा करेंगे।"

यहोशू 24:26

उस दिन लोगों के साथ बाँधी गई वाचा को चिह्नित करने के लिए यहोशू ने क्या किया?

यहोशू ने सारा वृत्तान्त परमेश्वर की व्यवस्था की पुस्तक में लिखा और एक बड़ा पत्थर चुनकर उस बांज वृक्ष के तले खड़ा कर दिया।

यहोशू 24:27

यहोशू ने कहा कि पत्थर किस बात का साक्षी होगा?

यहोशू ने कहा कि यह पत्थर इस्राएलियों के विरुद्ध साक्षी होगा क्योंकि इसने यहोवा और इस्राएल के लोगों द्वारा कहे गए सभी वचनों को सुना है।

यहोशू 24:29

यहोशू की मृत्यु के समय वह कितने वर्ष का था?

जब यहोशू की मृत्यु हुई तब वह एक सौ दस वर्ष का था।

यहोशू 24:32

इस्राएली मिस्र से किसकी हड्डियाँ बाहर लाए थे?

इस्राएली मिस्र से यूसुफ की हड्डियों को बाहर लाए थे।